



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 340 ]  
No. 340 ]

नई विल्ली, गुडवार, अगस्त 11, 1995/शावन 20, 1917  
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 11, 1995/SARVANA 20, 1917

लाय मैत्रसय

आदेश

नई विल्ली, 11 अगस्त, 1995

सा. का. नि. 588/अ/आ.व./चीनी— चीनी इनियूशन्शन्स आदेश, 1966 के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्व लाय मैत्रसय, कृषि सामुदायिक विकास और सहकारिता इमारत के सं. सा. का. नि. 645/आ.व./चीनी, विनांक 14 अप्रैल, 1970 में भारत सरकार के चीनी इपेकिंग और विहनन आदेश के आधिक संशोधन में केंद्रीय सरकार स्तरव्याप्त आदेश बनाती है, नामतः

1. सौमित्र नाम और लागू होने का समय— ॥॥ इस आदेश का नाम चीनी इपेकिंग और विहनन संशोधन आदेश, 1995 है।

॥२॥ यह तुरन्त लागू होगा।

2. खण्ड 3 के हटा दिया जाएगा और इसके स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, नामतः

"3. प्रत्येक बोरी में भरी जाने वाली चीनी की मात्रा—जब तक अन्यथा केंद्रीय सरकार अनुमति नहीं देती तब तक प्रत्येक बोरी में हुक्म 100 किलोग्राम चीनी भरी जाएगी ।"

[ संख्या 20-6/95 एस. पी. वार्ड-डी-२ ]

नवीन कुमार, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FOOD

## ORDER

New Delhi, the 11th August, 1995

G.S.R. 588(E)/Ess.Com./Sugar.—In exercise of the powers conferred by Clause 5 of the Sugar (Control) Order, 1966 and in partial modification of the Sugar (Packing and Marking) Order of the Government of India in the former Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Food) No. GSR 645/Ess.Com./Sugar, dated the 14th April, 1970, the Central Government hereby makes the following Order, namely :

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Sugar (Packing and Marking) Amendment Order, 1995.  
(2) It shall come into force at once.
2. Clause 3 shall be deleted and substituted by the following, namely :  
**"3. Quantity of sugar to be packed in each bag.—Unless otherwise permitted by the Central Government, each bag of sugar shall contain 100 kg. of sugar net."**

[No. 20-6/95/SPY(D-II]  
NAVIN KUMAR, Jt. Secy.